प्रकरण सं0 ....अनवान...............................

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, श्रीगंगानगर

Continuation Note Sheet

22-9-17 वकील उभय पक्ष उप0। पीठासीन अधिकारी अन्य प्रशा. कार्य में व्यस्त हैं। पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 16-10-17 को पेश हो।

16-10-17 वकील प्रार्थी उप0। जवाब को समय चाहा। T.I. की रिपोर्ट आगामी पेशी तक अदा नहीं हुई। पत्रावली वास्ते जवाब दिनांक 08-11-17 को पेश हो।

वादी द्वारा मूल वाद के प्रार्थना पत्र पेश करने पर पत्रा. पेशी में ली।

07-11-17 वादी द्वारा जरिए वकील मूल वाद के वाद को विड्रा करने बाबत प्रार्थना पत्र पेश करने व वाद को आगे नहीं चलाने के कारण दर्ज व पत्रावली से सम्बन्धित वाद खारिज किया जा चुका है इस कारण पत्रावली में आगे कोई कार्यवाही शेष नहीं बचती। अतः पत्रावली फैसल शुदा होकर बाद तकमील जरूरी दाखिल दफ्तर हो।

(राजपाल [illegible])
उपखण्ड अधिकारी ([illegible])
श्रीगंगानगर